प्रेषक,

अपर मिशन निदेशक,
राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन,
उ0प्र0, लखनऊ।

सेवा में,

मुख्य चिकित्साधिकारी
जनपद– बदायुं

पत्रांकः SPMU/SS Visit/Budaun/2019-20/01/ 9410 दिनांकः 12.02.2020

विषयः राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के अन्तर्गत सहयोगात्मक पर्यवेक्षण टीम द्वारा किये गये भ्रमण के सम्बंध में।

महोदय,

अवगत कराना है कि राज्य स्तरीय सहयोगात्मक पर्यवेक्षण टीम द्वारा दिनांक 04 से 06 फरवरी 2020 के मध्य आपके जनपद में चिकित्सा इकाईयों पर प्रदान की जा रही स्वास्थ्य सेवाओं को बेहतर किये जाने के उद्देश्य से भ्रमण किया गया था तथा भ्रमण दल द्वारा चिकित्सा इकाईयों पर प्रदान की जा रही सेवाओं में सुधार लाने हेतु आवश्यक सुझाव दिये गये (भ्रमण आख्या संलग्न)।

आपको निर्देशित किया जाता है कि राज्य स्तरीय भ्रमण दल द्वारा पायी गयी कमियों का निराकरण कराते हुए अनुपालन आख्या 01 सप्ताह में उपलब्ध कराना सुनिश्चित करें।

संलग्नक– यथोक्त।

भवदीया

(जसजीत कौर)
अपर मिशन निदेशक

पत्र संख्याः SPMU/SS Visit/ Budaun /2019-20/01/ तद्दिनांक

प्रतिलिपि – मिशन निदेशक, महोदय को सूचनार्थ एवं निम्नलिखित को आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित–

1. महानिदेशक, चिकित्सा एवं स्वास्थ्य सेवायें, उत्तर प्रदेश।
2. महानिदेशक, परिवार कल्याण, उत्तर प्रदेश।
3. जिलाधिकारी/अध्यक्ष जिला स्वास्थ्य समिति, बदायुं, उत्तर प्रदेश।
4. मण्डलीय अपर निदेशक, चिकित्सा स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण, बरेली मण्डल, उत्तर प्रदेश।
5. समस्त महाप्रंबधक, राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन, उत्तर प्रदेश।
6. मण्डलीय कार्यक्रम प्रबन्धक/अरबन हेल्थ कन्सल्टेंट, बरेली, उत्तर प्रदेश।
7. जनपदीय कार्यक्रम प्रबन्धक/जनपदीय शहरी स्वास्थ्य समन्वयक, बदायुं, उत्तर प्रदेश।

(विवेक द्विवेदी)
महाप्रबंधक, प्रोक्योरमेंट

प्रेषक,

अपर मिशन निदेशक,
राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन,
उ0प्र0, लखनऊ।

सेवा में,

मुख्य चिकित्साधिकारी
जनपद– बदायुं

पत्रांकः SPMU/SS Visit/Budaun/2019-20/01/ दिनांकः 12 .02.2020

विषयः राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के अन्तर्गत सहयोगात्मक पर्यवेक्षण टीम द्वारा किये गये भ्रमण के सम्बंध में।

महोदय,

अवगत कराना है कि राज्य स्तरीय सहयोगात्मक पर्यवेक्षण टीम द्वारा दिनांक 04 से 06 फरवरी 2020 के मध्य आपके जनपद में चिकित्सा इकाईयों पर प्रदान की जा रही स्वास्थ्य सेवाओं को बेहतर किये जाने के उद्देश्य से भ्रमण किया गया था तथा भ्रमण दल द्वारा चिकित्सा इकाईयों पर प्रदान की जा रही सेवाओं में सुधार लाने हेतु आवश्यक सुझाव दिये गये (भ्रमण आख्या संलग्न)।

आपको निर्देशित किया जाता है कि राज्य स्तरीय भ्रमण दल द्वारा पायी गयी कमियों का निराकरण कराते हुए अनुपालन आख्या 01 सप्ताह में उपलब्ध कराना सुनिश्चित करें।

संलग्नक– यथोक्त।

भवदीया

(जसजीत कौर)
अपर मिशन निदेशक

पत्र संख्याः SPMU/SS Visit/ Budaun /2019-20/01/ 9410-7 तद्दिनांक

प्रतिलिपि – मिशन निदेशक, महोदय को सूचनार्थ एवं निम्नलिखित को आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित–

1. महानिदेशक, चिकित्सा एवं स्वास्थ्य सेवायें, उत्तर प्रदेश।
2. महानिदेशक, परिवार कल्याण, उत्तर प्रदेश।
3. जिलाधिकारी/अध्यक्ष जिला स्वास्थ्य समिति, बदायुं, उत्तर प्रदेश।
4. मण्डलीय अपर निदेशक, चिकित्सा स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण, बरेली मण्डल, उत्तर प्रदेश।
5. समस्त महाप्रंबधक, राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन, उत्तर प्रदेश।
6. मण्डलीय कार्यक्रम प्रबन्धक/अरबन हेल्थ कन्सल्टेंट, बरेली, उत्तर प्रदेश।
7. जनपदीय कार्यक्रम प्रबन्धक/जनपदीय शहरी स्वास्थ्य समन्वयक, बदायुं, उत्तर प्रदेश।

(विवेक द्विवेदी)
महाप्रबंधक, प्रोक्योरमेंट

जनपद बदायूं की सहयोगात्मक पर्यवेक्षण की भ्रमण आख्या

भ्रमण अवधि– दिनांक 04 फरवरी से 06 फरवरी, 2020

राज्य स्तरीय टीम

1. श्री सिद्धार्थ भूईयान, समन्वय अधिकारी, प्रोक्योरमेंट, पी.एम.यू.।
2. श्री अरुण श्रीवास्तव, कार्यक्रम समन्वयक, एस.पी.एम.यू.–एन.एच.एम.।

नगरीय प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र–शवाजपुर सहसवान व नेकपुर

पर्यवेक्षण के बिन्दु	की गयी कार्यवाही
• नगरीय प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्रों पर मानकानुसार पर्याप्त स्थान की उपलब्धता नही थी।	• नगरीय प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्रों को मानकानुसार रिलोकेशन कराये जाने हेतु मुख्य चिकित्साधिकारी एवं नोडल अधिकारी, एन.यू.एच.एम. के साथ वार्ता की गयी।
• नगरीय प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र पर लैब में सिंक की व्यवस्था नही थी।	• नोडल अधिकारी, एन.यू.एच.एम. से वार्ता कर सिंक की व्यवस्था हेतु अनुरोध किया गया।
• नगरीय प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्रों पर राज्य स्तर से प्रेषित दिशा–निर्देशों के अनुरुप उपकरण नही पाये गये जैसे –Fire extinguizer, Condom Box, Oxygen cylinder, Tray, Delivery Table, Delivery Kit, Macintosh, Foot Step, digital clock with temprature, Side Screen, centrifuge etc.	• राज्य स्तर से प्रेषित दिशा – निर्देशों के अनुसार प्रत्येक नगरीय प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्रों पर उपकरण की उपलब्ध सुनिश्चित किये जाने हेतु नोडल अधिकारी, एन.यू.एच.एम. के साथ वार्ता की गयी।
• नगरीय प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्रों पर मानकानुसार आई.ई.सी. का प्रदर्शन नही किया गया है।	• मानकानुसार आई.ई.सी. को प्रदर्शित कराये जाने हेतु सझाव दिया गया।
• नगरीय प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्रों पर तैनात स्टाफ नर्स एवं ए.एन.एम. को हाई रिस्क प्रेगनेंसी के लक्षणों के विषय में नही पता था।	• इस हेतु 01 दिवसीय कार्याशाला का आयोजन करते हुये सभी स्टाफ नर्सों एवं ए.एन.एम. को प्रशिक्षित कराये जाने का सुझाव दिया गया।
• रोगी कल्याण समिति की बैठक के रिकार्ड पूर्ण नही पाये गये।	• इस सम्बन्ध में नोडल अधिकारी, एन.यू.एच.एम., जनपदीय शहरी स्वास्थ्य समन्वय एवं डाटा कम एकाउन्ट असिस्टेंट के साथ वार्ता करते हुये तत्काल पूर्ण कराये जाने हेतु सुझाव दिये गये।
• नगरीय प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्रों पर आई.यू.सी.डी. एवं अन्तरा नही लगायी जा रही है।	• इस सम्बन्ध में तत्काल कार्यवाही किये जाने हेतु नोडल अधिकारी एन.यू.एच.एम. से वार्ता की गयी।
• नगरीय प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्रों पर बायोमेट्रिक सिस्टम नही लगा हुआ था।	• इस सम्बन्ध में तत्काल कार्यवाही किये जाने हेतु नोडल अधिकारी एन.यू.एच.एम. से वार्ता की गयी।
• नगरीय प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्रों पर ई.डी.एल. की सूची, सन्दर्भन सेवाएं, हाई रिस्क प्रेगनेंसी के लक्षण, इत्यादि प्रदर्शित नही किया गया था।	• इस सम्बन्ध में तत्काल कार्यवाही किये जाने हेतु नोडल अधिकारी एन.यू.एच.एम. से वार्ता की गयी।
• नगरीय प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र	•

सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द, सहसवान

पर्यवेक्षण के बिन्दु	की गयी कार्यवाही

• रेडियोलॉजी यूनिट में बिना टी.आर.एफ. फार्म के केवल ओ.पी.टी. स्लीप से जॉचे की जा रही थी।	• टी.आर.एफ. फार्म का उपयोग शुरु करा दिया गया।
• एम्बुलेंस 102 में डिलीवरी किट नही पायी गयी।	• अधीक्षक महोदय को समय समय पर एम्बुलेंस की जॉच करने एवं कमियों को दूर किये जाने में कार्यवाही हेतु अनुरोध किया गया।
• फास्टेड बाक्स में टूल रखे हुये पाये गये।	

जिला महिला चिकित्सालय बदायूं–

पर्यवेक्षण के बिन्दु	की गयी कार्यवाही
• जिला महिला चिकित्सालय में साफ सफाई संतोषजनक नही थी। • सिटीजन चार्टर अपडेटेड डिस्प्ले नहीं था।	• सिटीजन चार्टर को उचित स्थान पर अपडेट कराते हुए डिस्प्ले करने का सुझाव दिया गया।
• 5'5 मैट्रिक्स डिस्प्ले नहीं था। चिकित्सालय की गैलरी में मरीजों के तीमारदारों ने रैन बसेरा बना रखा था। चिकित्सालय में बेहद गंदगी पायी गयी।	• 5'5 मैट्रिक्स उपयुक्त स्थानों पर लगाने का सुझाव दिया गया। चिकित्सालय में बना रैन बसेरा में मरीजो के परिजनों को रूकने को कहा गया एवं भविष्य में उक्त की पुनर्रावर्ती न हो इसके लिये अधीक्षिका महोदया से गार्ड की तैनाती कर अग्रेतर कार्यवाही अपेक्षित है।
• ई0डी0एल0 का प्रर्दशन नियमित रुप सें नहीं किया जा रहा था।	• ई0डी0एल0 का प्रर्दशन कराया गया, नियमित रुप सें किये जाने तथा प्रतिदिन अपडेट करने का सुझाव दिया गया।
• शिकायत पेटिका उपलब्ध था किन्तु उपयोग में नही था। अभिलेख उपलब्ध नही पाये गये।	• शिकायत निवारण पेटिका सही जगह लगाने व मानकानुसार क्रियाशील करने का सुझाव दिया गया।
• परिसर में भ्रमण के दौरान समस्त कार्यक्रमों की विभिन्न आई0ई0सी0 उपलब्ध नहीं थी। जो आई0ई0सी0 उपलब्ध थे वे काफी पुराने व धुधले हो चुके थे। डाइट चार्ट डिस्प्ले नहीं था।	• अपडेटेड आई0ई0सी0 डिस्प्ले करने का सुझाव दिया गया। विभिन्न कार्यक्रमों यथा जननी शिशु सुरक्षा कार्यक्रम, टीकाकरण, बाल स्वास्थ्य, परिवार नियोजन आदि की उपलब्ध सुविधाओं व सेवाप्रदाताओं का विवरण, फैमिली प्लानिंग इण्डेमनिटी स्कीम आदि का वाल पेन्टिंग के माध्यम से डिस्प्ले कराये जाने का सुझाव दिया गया।
• अर्श क्लीनिक में श्रीमती कमलेश कुमारी, किशोर स्वास्थ्य काउन्सलर तैनात मिली। परामर्शदाता से हुयी वार्ता के कम में ज्ञात हुआ कि उनको बी0एम0आई0 के विषय में कोई जानकारी नही थी और न ही Snellen eye chart के विषय में कोई जानकारी थी।	• श्रीमती कमलेश कुमारी, किशोर स्वास्थ्य काउन्सलर का अभिमुखीकरण किये जाने एवं उनके द्वारा भेजे जाने वाले आकडे की नियमित जांच करने की आवश्यकता है।
• भ्रमण के दौरान संज्ञान में आया कि लैब हेतु प्रयोग में लाये जा रहे कमरे में स्थान कम होने के कारण कठिनाईयों का सामना करना पड़ रहा है।	• सी.एम.एस. महोदया एवं मुख्य चिकित्साधिकारी महोदय से वार्ता कर स्थान उपलब्ध कराये जाने हेतु अनुरोध किया गया।
• लैब में बायो मेडिकल वेस्ट का segregation नियमानुसार नही किया जा रहा था।	
• लैब में लगा हुआ टैप खराब था जिसके कारण निरन्तर पानी बह रहा था।	

• लैब में विगत 1 साल से खराब डी फ्रीजर रखा हुआ था जिसको टेबल के रुप में उपयोग किया जा रहा था।	
• जिला महिला चिकित्सालय में प्रत्येक माह औसतन 400 प्रसव कराये जाते हैं। • जिला महिला चिकित्सालय में प्रसव के दौरान भरी जाने वाली केस शीट को पूरा नही भरा जा रहा था। जैसे – की जाने वाली जांचो का रिकार्ड, सहमति पत्र पर मरीजों का रिकार्ड, पार्टोग्राफ का रिकार्ड एवं अन्य । • नये उपलब्ध कराये गये प्रसव रजिस्टर को पूर्ण रुप से भरा नही जा रहा था। प्रसव के उपरान्त डिस्चार्ज का समय अंकित नही किया रहा था। • प्रसव कक्ष के पास स्टाफ रुम में उपयोग की हुई वायल, इन्जेक्शन इत्यादि पडा हुआ था। • स्टाक रजिस्टर नही बनाया गया था। • Fridge में खाद्य् सामग्री रखी हुई थी। • प्रसव कक्ष के समीप स्थित ए.एन.सी. एवं पी.एन.सी. वार्ड में जे.एस.एस.के. के अन्तर्गत डाइट का वितरण किया जा रहा था।	• उपस्थित सभी स्टाफ को सी.एम.एस. एवं पर्यवेक्षण टीम के द्वारा सभी कालम को भरना बताया गया। • इस सम्बन्ध में रिकार्ड को पूर्ण किये जाने हेतु स्टाफ को निर्देशित किया गया। • इस सम्बन्ध में सुझाव दिया गया कि इसको लॉक करवा दिया जाय एवं वेल्टीनेशन हेतु इग्जासट फैन लगवाया जा सकता है। सी.एम.एस. महोदय द्वारा इस पर सहमति प्रदान की गयी।
• अस्पताल में लगी हुई खिडकियों के शीशे खुले हुये थे, जिससे तीमारदारों द्वारा पान एव गुटका खाके बाहर थुका जा रहा था। • अस्पताल में वायरिंग खुली एवं ए.सी. से वार्ड में पानी गिर रहा था। • S.N.C.U में आटोक्लेव खराब था और दिनांक 01.02.20 से बिना स्टेलाइज किये हुये उपकरणों एवं सामानों का उपयोग किया जा रहा था। • प्रसव पश्चात बच्चों को लगाये जा रहे सभी टीको को केस शीट में अंकित नही किया जा रहा था।	• इस सम्बन्ध में सी.एम.एस. द्वारा ठीक कराये जाने हेतु आश्वत किया गया। • तत्काल सभी खाद्य् सामग्री को हटवाया गया और भविष्य में इसकी पुनरावृत्ति न हो इस सम्बन्ध में निर्देशित किया गया। • इस सम्बन्ध में सी.एम.एस. द्वारा उचित कार्यवाही किये जाने का अनुरोध किया गया एवं कम्प्लेन टोल फ्री नं पर हो सुनिश्चित किया गया। • समस्त बच्चों को टीकाकरण किया जाय एवं उनके रिकार्ड को दर्ज किया जाना सुनिश्चित किया जाय।

उपरोक्त सभी बिन्दुओं पर मुख्य चिकित्साधिकारी को अवगत कराया गया तथा सुधारात्मक कार्यवाही किये जाने हेतु अपने स्तर से सम्बंधित को निर्देशित किये जाने का अनुरोध किया गया।

(अरुण कुमार श्रीवास्तव)
प्रोग्राम कॉर्डिनेटर, एन.यू.एच.एम.
एस.पी.एम.यू., लखनऊ

10.02.2020
(सिद्धार्थ भूईयान)
समन्वय अधिकारी
पी.एम.यू., एस.पी.एम.यू.